मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया के डेंटिस्ट्री फैकल्टी के छात्रों ने प्रतिष्ठित ICMR-STS 2026 रिसर्च ग्रांट हासिल किया**

नई दिल्ली, 23 सितंबर, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) की डेंटिस्ट्री फैकल्टी ने अंडरग्रेजुएट रिसर्च को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है। इसके दो BDS छात्रों ने प्रतिष्ठित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च–शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (ICMR-STS) 2026 रिसर्च ग्रांट हासिल किए हैं।

ICMR-STS प्रोग्राम, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत ICMR की एक बहुत प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय पहल है। इसका मकसद अंडरग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल छात्रों में वैज्ञानिक सोच और रिसर्च स्किल्स को बढ़ावा देना है। यह प्रोग्राम चुने हुए छात्रों को अनुभवी फैकल्टी मेंटर्स के मार्गदर्शन में शॉर्ट-टर्म रिसर्च प्रोजेक्ट्स करने और वैज्ञानिक कार्यप्रणाली व रिसर्च का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का मौका देता है।

ICMR-STS 2026 प्रोग्राम के तहत, हर चुने हुए प्रोजेक्ट के लिए कुल ₹60,000 का स्टाइपेंड मिलता है, जिससे अंडरग्रेजुएट छात्रों को अपने स्वीकृत रिसर्च प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए आर्थिक मदद मिलती है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि डेंटिस्ट्री फैकल्टी से चुने गए प्रोजेक्ट्स डेंटल एजुकेशन में इनोवेटिव और टेक्नोलॉजी-आधारित तरीकों पर केंद्रित हैं। ये प्रोजेक्ट्स फैकल्टी के साक्ष्य-आधारित शिक्षण, रिसर्च-बेस्ड लर्निंग और आधुनिक शैक्षिक तकनीकों को शामिल करने पर बढ़ते जोर को दर्शाते हैं।

डेंटिस्ट्री फैकल्टी से ICMR-STS 2026 अवार्ड पाने वाले छात्र हैं:

1. सुश्री अनुष्का गुप्ता
प्रोजेक्ट का शीर्षक: वर्चुअल माइक्रोस्कोपी वर्सेस कन्वेंशनल माइक्रोस्कोपी फॉर ओरल पैथोलॉजी प्रैक्टिकल लर्निंग अमंग अंडरग्रेजुएट स्टूडेंटस: ए प्रोस्पेक्टिव क्रॉसओवर स्टडी
मेंटर: डॉ. अमन चौधरी

2. श्री शम्स हसन खान
प्रोजेक्ट का शीर्षक: कम्पेरिज़न ऑफ़ स्टैंडर्डाइज़्ड वीडियो-बेस्ड डेमोंस्ट्रेशन (VBD) एंड NotebookLM -असिस्टेड इंस्ट्रक्शन्स विद ट्रेडिशनल इन-पर्सन डेमोंस्ट्रेशन इन ऑर्थोडॉन्टिक वायर-बेंडिंग अमंग अंडरग्रेजुएट डेंटल स्टूडेंट्स
मेंटर: डॉ. प्रियंका कपूर

दोनों प्रोजेक्ट्स अंडरग्रेजुएट डेंटल एजुकेशन में आधुनिक अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सुश्री अनुष्का गुप्ता की स्टडी ओरल पैथोलॉजी प्रैक्टिकल लर्निंग के तरीकों के रूप में वर्चुअल माइक्रोस्कोपी और पारंपरिक माइक्रोस्कोपी का तुलनात्मक मूल्यांकन करती है, जबकि श्री शम्स हसन खान की रिसर्च ऑर्थोडॉन्टिक वायर-बेंडिंग के लिए

पारंपरिक इन-पर्सन डेमोंस्ट्रेशन की तुलना में स्टैंडर्डाइज़्ड वीडियो-आधारित डेमोंस्ट्रेशन और NotebookLM - असिस्टेड प्राप्त निर्देशों की प्रभावशीलता की जांच करती है। इन प्रोजेक्ट्स का चयन, फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री की उन कोशिशों को दिखाता है जिनका मकसद अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स को नए तरह के एजुकेशनल रिसर्च में शामिल होने और पढ़ाने-सीखने के नए डिजिटल तरीकों को आज़माने के लिए प्रोत्साहित करना है।

जामिया मिलिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री के डीन, प्रोफ़ेसर (डॉ.) नदीम यूनुस ने इस बड़ी कामयाबी के लिए अवॉर्ड पाने वाले स्टूडेंट्स और उनके फैकल्टी मेंटर्स, दोनों को बधाई दी। उन्होंने अंडरग्रेजुएट लेवल पर रिसर्च में दिलचस्पी दिखाने के लिए स्टूडेंट्स की तारीफ़ की और रिसर्च प्रोजेक्ट्स को तैयार करने में मेंटर्स के मार्गदर्शन और हौसला-अफ़ज़ाई की भी सराहना की।

यह कामयाबी एकेडमिक एक्सीलेंस, रिसर्च इनोवेशन और डेंटल एजुकेशन के आधुनिक तरीकों की दिशा में फैकल्टी ऑफ़ डेंटिस्ट्री की लगातार कोशिशों को और मज़बूत करती है। साथ ही, यह जामिया मिलिया इस्लामिया की अपने स्टूडेंट्स के बीच रिसर्च और इनोवेशन के जीवंत कल्चर को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी